आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 12 अंक : 04 लखनऊ, बुद्धवार 28 अप्रैल से 06 मई, 2021 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

उत्तर प्रदेश में कोरोना के ३३,५७४ नए मामले, एक्टिव केस तीन लाख के पार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमितों के मामले जो तीन दिन पहले ३८ हजार को पार कर गये थे, उसमें आज कमी आई और ३३,५७४ लोग संक्रमित पाये गये। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार प्रदेश में बड़ी संख्या में टेस्टिंग क्षमता निरन्तर बढ़ायी जा रही है। एक दिन में १,८६,३४६ सैम्पल की जांच की गयी। प्रदेश में अब तक कुल ३,६६,५७,२६३ सैम्पल की जांच की गयी है। उन्होंने कहा कि पिछले २४ घंटे में कोरोना से संक्रमित ३३,५७४ नये मामले आये है तथा २६,७१६ मरीज संक्रमणमुक्त हुए हैं। इस प्रकार अब तक ८,०४,५६३ से अधिक लोग कोविड संक्रमण से मुक्त हो चुके हैं। प्रदेश में ३,०४,१६६ कोरोना के एक्टिव मामले में से २,४६,४०६ व्यक्ति होम आइसोलेशन में, ६,८२७ मरीज निजी चिकित्सालयों में तथा शेष मरीज सरकारी चिकित्सालयों में इलाज करा रहे हैं। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि सर्विलांस की कार्यवाही निरन्तर चल रही है। संक्रमण को रोकने के लिए जो उपाय किये जा रहे हैं उनमें से सर्विलांस, कान्टैक्ट ट्रेसिंग, टेस्टिंग, आइसोलेशन और वैक्सीनेशन आदि हैं। प्रदेश में ४५ वर्ष से अधिक आयु वालों का कोविड

वैक्सीनेशन किया जा रहा है। अब तक ६७,८३,४१६ लोगों को वैक्सीन की पहली डोज दी गयी तथा पहली डोज लेने वालों में से २०,००,४६४ लोगों को वैक्सीन की दूसरी डोज दी गयी हैं। इस प्रकार कुल १,१७,८३,८८० वैक्सीन की डोज लगायी जा चुकी है। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि सरकार द्वारा प्राइवेट लैबध्अस्पतालों के लिए कोरोना जांच की दरें निर्धारित की गई है, जिसमें एन्टीजन टेस्ट हेतु रु० २५०, अस्पताल में जाकर आरटीपीसीआर टेस्ट कराने हेतु रु० ७००, घर से सैम्पल लेने पर ६०० तथा टूनेट लैब में जांच हेतु रु० १२५० तथा घर से सैम्पल लेकर जांच कराने पर १४५० देय होगा। कोई भी निजी या सरकारी अस्पताल किसी कोविड मरीज के उपचार से इंकार नहीं कर सकता। किसी भी गरीब आदमी का निजी अस्पताल में उपचार होने पर प्रदेश सरकार आयुष्मान योजना के तहत इलाज का भुगतान करेगी। उन्होंने कहा कि किसी मरीज से निर्धारित दर से अधिक शुल्क लेने पर महामारी एक्ट के तहत दण्डनीय अपराध होगा और इस तरह की घटना पर पीड़ित व्यक्ति संबंधित जनपद के जिलाधिकारीध्मुख्य चिकित्साधिकारीध्कमाण्ड सेण्टर को सूचित कर सकता है।

राजधानी में कोरोना से अब तक 1675 लोगों की मौत

लखनऊ। राजधानी में कोरोना संक्रमण के नये केसों में गिरावट देखने को मिल रही है। पिछले सप्ताह तक जो केस ६ हजार से ऊपर रोजाना मिल रहे थे वह अब घटकर साढ़े चार हजार तक पहुंच चुके हैं। यहां सोमवार को ४ हजार ५६६ नये केस दर्ज किए गये हैं। जबकि २१ लोगों की मौत हुई है। कोरोना के दोनों चरणों में अभी तक १६७५ लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि एक्टिव केस ५० हजार ६२७ हैं। इसमें कई केस ऐसे हैं जिनका इलाज होम आइसोलेशन में चल रहा है, जबकि काफी संख्या में अस्पताल में भी इलाज चल रहा है। वहीं नये सक्रंमण केस कम मिलने के पीछे की वजह दो दिन सप्ताह में चल रहे लकडाउन को बताया जा रहा है। अधिकारियो का कहना है सरकार के आदेश पर जो दो दिनों का लकडाउन लगाया गया है उससे कोरोना संक्रमण की चेन टूट रही है। अब धीरे–धीरे नये केस मिलने और कम होंगे। सप्ताह में दो दिनों का लकडाउन समाप्त होते ही भीड़ लग जा रही है। सोमवार को इसका एक नजारा आलमबाग सब्जी में मंडी में देखने को मिला। लोगों की जबरदस्त भीड़ के चलते कोविड– १६ की गाइडलाइन की ऐसे धज्जियां उड़ीं मानो कोरोना

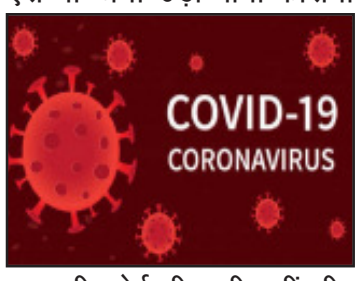

नाम की कोई चीज ही नहीं थी। लोग सोशल डिस्टेसिंग की परवाह किए बिना ही भीड़ में शामिल हो रहे हैं। जबकि लोगों को जागरूक करने में प्रदेश सरकार अपनी ओर से हर संभव प्रयास कर रही है। बावजूद इसके लोग मानने को तैयार नहीं है। लखनऊ में अमीनबाद बाजार, डंडईया बाजार, निशातगंज बाजार समेत कई ऐसे बाजार हैं जहां कोरोना गाइडलाइन का पालन नहीं हो रहा है।

जजों को नहीं चाहिए अपने लिए खास इंतजाम

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हाई कोर्ट के जजों के लिए अशोक होटल में एक सौ कमरों का अस्थायी अस्पताल बनाने की खबर आने के बाद हाई कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया और

इसे तत्काल रद्द करने को कहा। हाई कोर्ट ने कहा है कि जजों के लिए कभी भी पांच सितारा होटल में एक सौ बिस्तरों की सुविधा नहीं मांगी गई। अदालत ने कहा– हमने प्रेस में खबरों को पढ़ा है। हमने कोई भी आग्रह नहीं किया था। दिल्ली सरकार से नाराजगी जताते हुए हाई कोर्ट ने कहा– आप कल्पना कीजिए यह हम कैसे कह सकते हैं। लोगों को अस्पताल नहीं मिल रहे और हम आपसे लग्जरी होटल में बेड मांग रहे हैं? मीडिया गलत नहीं है, आपका आर्डर गलत है। आप किसी एक श्रेणी के लिए सुविधा कैसे दे सकते हैं। हाई कोर्ट ने दिल्ली सरकार से जवाब दाखिल करने को कहा। हाई कोर्ट ने दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया है। दूसरी ओर सरकार ने कहा है कि इसके पीछे कोई दुर्भावना नहीं थी। हाई कोर्ट ने दिल्ली सरकार से कहा– अच्छा होगा कि आप ये आदेश तुरंत वापस लें। इस पर सरकार ने कहा कि वह तुरंत आदेश वापस लेगी। इससे पहले हाई कोर्ट ने कहा– ये बात सोच से बाहर है कि हम एक संस्थान के तौर पर सुविधा मांगेंगे। इस मामले की गुरुवार को फिर सुनवाई होगी।

तीसरे चरण में २२ बूथों पर होगा पुनर्मतदान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तीसरे चरण २६ अप्रैल को हुए मतदान में प्रेक्षकों की रिपोर्ट के आधार पर २२ केंद्रों पर पुनर्मतदान कराया जाएगा। वहीं, चौथे व अंतिम चरण के मतदान के लिए चुनाव प्रचार मंगलवार शाम थम गया। २६ अप्रैल को कुल १७ जिले बुलंदशहर, हापुड़, संभल, शाहजहांपुर, अलीगढ़, मथुरा, फर्रुखाबाद, बांदा, कौशांबी, सीतापुर, अंबेडकर नगर, बहराइच, बस्ती, कुशीनगर, गाजीपुर, सोनभद्र व मऊ में मतदान होना है।राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार ने बताया कि जिन २२ केंद्रों पर पुनर्मतदान कराने का निर्णय लिया गया है, उसके लिए तिथि बाद में घोषित की जाएगी। २० जिलों में जिन २२ केंद्रों पर पुनर्मतदान किया जाएगा, उसमें बलिया जिले के ११ बूथ, अमेठी व फतेहपुर में चार–चार बूथ, चंदौली में दो तथा फीरोजाबाद में एक बूथ पर फिर से वोट डाले जाएंगे।२६ अप्रैल को चौथे व अंतिम चरण में जिन १७ जिलों में मतदान होगा, वहां चुनाव प्रचार मंगलवार शाम को थम गया। चौथे चरण में ७२८ जिला पंचायत सदस्य पदों के लिए कुल ११, २५६ उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किए थे। इसी क्रम में १८३५६ क्षेत्र पंचायत सदस्य पदों के लिए ८५,३६८

उम्मीदवारों ने पर्चे भरे थे। ग्राम प्रधान के १४१११ पदों के लिए १२३०५५ नामांकन दाखिल किए गए। ग्राम पंचायत सदस्य पदों के १७७६४८ पदों के लिए ५३१६५१० नामांकन जमा कराए गए थे। कुल नामांकन में से १,३८८ उम्मीदवार मैदान से हट गए। जिन जिलों में गुरुवार को वोट डाले जाएंगे, उनमें अंबेडकरनगर, अलीगढ़, कुशीनगर, कौशांबी, गाजीपुर, फर्रुखाबाद, बुलंदशहर, बस्ती, बांदा, बहराइच, मथुरा, मऊ, शाहजहांपुर, संभल, सीतापुर, सोनभद्र व हापुड़ शामिल हैं। बता दें कि कोरोना महामारी के बढ़ते प्रकोप के बावजूद पंचायत चुनाव के तीसरे चरण में भी ग्रामीण मतदाताओं में जबरदस्त उत्साह दिखा है। सोमवार को कानपुर देहात, मेरठ, मुरादाबाद व अमेठी समेत प्रदेश के २० जिलों में कई स्थानों पर हिंसक वारदातों व मतपेटियां लूटने की घटनाओं के बीच औसतन ७३.५ प्रतिशत वोट डाले गए। कोविड प्रोटोकाल की धज्जियां उड़ाने और मतदान कर्मियों की मनमानी की शिकायतें भी मिलती रही। अधिकतर स्थानों पर निर्धारित समय छह बजे के बाद भी वोट डालने का काम चलता रहा। ३.५ लाख से अधिक उम्मीदवारों का भविष्य मतपेटियों में बंद हो गया।

सम्पादकीय

पूरी दुनिया के लिए मुसीबत

मशहूर ब्रिटिश पत्रिका द इकनमिस्ट ने भारत में आई कोरोना महामारी पर एक कड़ी टिप्पणी में कहा है कि ये स्थिति भारत के साथ– साथ पूरी दुनिया के लिए मुसीबत बन रही है। इसमें ध्यान दिलाया गया है कि भारत में उत्पन्न हुआ डबल म्यूटेंट कई पश्चिमी देशों तक पहुंच गया है। अगर भारत में स्थिति बेकाबू बनी रही, तो यहां नए म्यूटेंट बनते रहेंगे और वे दुनिया भर में पहुंचते रहेंगे। कोरोना महामारी के सिलसिले में ये पहले ही कहा गया है कि इससे या तो पूरी दुनिया सुरक्षित होगी, या फिर कोई सुरक्षित नहीं है। इसीलिए जानकार दुनिया भर में सबके टीकाकरण पर जोर देते रहे हैं। मगर अब स्थिति यह है कि अलग–अलग देशों के वैक्सीन नेशनलिज्म के कारण गरीब देशों तक टीका पहुंचाने की कॉवैक्स योजना के लिए खतरा पैदा हो गया है। जबकि बहुत से विकासशील देशों के लिए कोरोना वायरस संक्रमण रोकने का टीका पाने की एकमात्र उम्मीद यही योजना है। अब हाल यह है कि टीका निर्यात पर हालिया पाबंदियों के कारण विकासशील देशों को अगले महीने तक अब उम्मीद से काफी कम संख्या में वैक्सीन डोज मिल पाएंगे। ब्रिटिश अखबार द गार्जियन के एक विश्लेषण मुताबिक विकासशील देशों को मई तक तक जितनी संख्या में ऑक्सफर्डएस्ट्रा जेनिका के जितने वैक्सीन मिलने की संभावना थी, उसका सिर्फ २० फीसदी हिस्सा ही मिल पाएगा। द गार्जियन का कहना है कि कवैक्स विभिन्न देशों की सरकारों और दवा कंपनियों के ऊपर निर्भर है। ध नी देश कॉवैक्स योजना में शामिल हुए थे, लेकिन उन्होंने अपनी जनता के लिए प्राइवेट कंपनियों से वैक्सीन की सीधी खरीद कर ली। फाइजर जैसी कंपनी बहुत कम संख्या में अपने वैक्सीन के डोज रियायती दर पर कवैक्स को देने पर राजी हुई। मॉडेरना ने तो अभी तक इस कार्यक्रम को एक भी डोज की आपूर्ति नहीं की है। इसलिए कवैक्स लगभग पूरी तरह भारत में पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट पर निर्भर हो गया, जहां एस्ट्रा जेनिका कंपनी के वैक्सीन का उत्पादन हो रहा है। इस वैक्सीन की कवैक्स को बहुत सस्ती दर पर सप्लाई हो रही थी। लेकिन भारत में कोरोना महामारी की दूसरी लहर आ जाने से तस्वीर बदल गई। अब कवैक्स कार्यक्रम अपने लक्ष्य से बहुत पीछे चल रहा है। इसकी तोहमत भारत पर आ रही है। कहा जा रहा है कि भारत के एस्ट्रा जेनिका के वैक्सीन का निर्यात रोक देने के कारण कई दूसरे देशों का टीकाकरण कार्यक्रम मुश्किल में है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मुख्तार अंसारी को जारी किया नोटिस

लखनऊ। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने दिसंबर, २०२० में माफिया मुख्तार अंसारी को तीन मामलों में बरी करने के एमपीएमएल की विशेष अदालत के फैसलों के खिलाफ राज्य सरकार की ओर से दाखिल तीन अलग–अलग अपीलों को सुनवाई के लिए मंजूरी दे दी है। कोर्ट ने इसके लिए मुख्तार अंसारी को नोटिस जारी किया है। हाई कोर्ट ने विशेष अदालत से संबंधित मामलों की पत्रावलियां भी तलब की हैं। अगली सुनवाई तीन सप्ताह बाद होगी।यह आदेश जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस राजीव सिंह की पीठ ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से सुनवाई के दौरान पारित कीं। राज्य सरकार की तरफ से अपीलें दाखिल करते हुए कहा गया था कि माफिया मुख्तार अंसारी के खिलाफ एक गवाह ने सजा हेतु पर्याप्त गवाही दी थी किन्तु विचारण ने उक्त गवाही को न मानकर मुख्तार को बरी कर गलती की। वहीं, गैंगस्टर एक्ट के मामले में कहा कि पत्रावलियों पर उपलब्ध साक्ष्यों का परीक्षण सही तरह से न होने की वजह से मुख्तार को बरी कर दिया गया, जिसके बाद हाई कोर्ट ने प्रथम दृष्टया सुनवाई के बाद मुख्तार को नोटिस जारी कर दिया।दरअसल, एमपीएमएलए की विशेष अदालत ने जेलर से गाली गलौज व जानमाल की धमकी देने तथा तत्कालीन अपर महानिरीक्षक कारागार को धमकी देने के एक दूसरे मामले में साक्ष्य के अभाव में मुख्तार अंसारी को गत दिसंबर में बरी कर दिया था। विशेष अदालत ने थाना हजरतगंज से संबधित गैंगेस्टर एक्ट के भी एक मामले में भी साक्ष्य के अभाव में अभियुक्त मुख्तार को बरी करने का आदेश दिया था।अभियोजन के मुताबिक २८ अप्रैल, २००३ को लखनऊ के जेलर एसके अवस्थी ने थाना आलमबाग में मुख्तार के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराई थी कि जेल में मुख्तार अंसारी से मिलने आए लोगों की तलाशी लेने का आदेश देने पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई थी। साथ ही मुख्तार ने उन पर पिस्तौल भी तान दी थी, जबकि एक मार्च, १९९९ को तत्कालीन अपर महानिरीक्षक कारागार एसपी सिंह पुंढीर ने थाना पूरी दुनिया के लिए मुसीबत पूरी दुनिया के लिए मुसीबत कृष्णानगर में दर्ज कराई थी।

पंचायत चुनाव के तीसरे चरण में छिटपुट हिंसा के बीच ६५ फीसदी मतदान, कोविड नियमों की उड़ी धज्जियां

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तीसरे चरण में सोमवार को छिटपुट हिंसा के बीच २० जिलों में शाम पांच बजे तक करीब ६५ फीसदी मतदान हुआ। कोरोना संक्रमण की चुनौती के बीच सुबह सात बजे से शुरू हुये मतदान में लोगों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। फिरोजाबाद, जालौन, बलिया, फतेहपुर समेत

कुछ अन्य जिलों में हिंसा की छिटपुट वारदातें हुयी हालांकि मौजूद सुरक्षा बलों ने तत्परता के साथ स्थिति को काबू में कर लिया। इस दौरान फिरोजाबाद, कासगंज, हमीरपुर, फतेहपुर, पीलीभीत, मुरादाबाद, देवरिया, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, कानपुर देहात, औरैया, जालौन, उन्नाव, बाराबंकी, अमेठी, शामली, चंदौली, बलिया और मिर्जापुर जिले में वोट डाले गये प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार शाम पांच बजे तक मेरठ में सबसे अधिक ६९.३ फीसदी लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया जबकि शामली में ६४.८, मुरादाबाद में ६४.९, पीलीभीत में ६६.५९, कासगंज में ६५.७, औरैया में ६३.८७, कानपुर देहात में ६०, जालौन में ६२.५, हमीरपुर में ५९, फतेहपुर में ५९.१, उन्नाव में ६२, अमेठी में ५५.९२, बाराबंकी में ६४.६, सिद्धार्थनगर में ५७.०२, देवरिया में ५८.७३, चंदौली में ५९.०५, मिर्जापुर में ६०.९ और बलिया में ६४.९७ प्रतिशत मतदान हो गया था। फिरोजाबाद से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार जसराना के नगला परदमन में मतदान के दौरान झगड़े में एक युवक घायल हो गया। यहां पथराव और गोलीकांड की सूचना पर एसपी ग्रामीण समेत आलाधिकारी मौके पर पहुंचे। जसराना ब्लाक नगला परदमन में फर्जी वोट ड़ालने को लेकर पोलिंग बूथ पर जमकर फायरिंग हुई। पोलिंग बूथ के अंदर पथराव, लाठी डंडे भी चले। यहां तक पोलिंग बूथ १३२ का जंगला तोड़कर मत पेटिकाओं को लूटने की कोशिश हुई है। टूंडला तहसील के गांव मोहम्मदपुर में ग्रामीणों ने स्थानीय समस्याओं को लेकर चुनाव का बहिष्कार किया। चुनाव बहिष्कार की सूचना पर पहुंचे आला अधिकारी मतदाताओं को समझा बुझाने में जुट गये। आईजी आगरा रेंज नवीन अरोड़ा भी मतदान स्थल पहुंचे ग्रामीणों से की बातचीत ग्राम पंचायत में विकास ना होने से ग्रामीण नाराज दिखे। १५ अप्रैल को संपन्न हुए पहले चरण के चुनाव में ७१ प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था जबकि १६ अप्रैल को हुए दूसरे चरण के चुनाव में ७३ प्रतिशत मतदान हुआ था। फतेहपुर से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार हथगाम थाना क्षेत्र के अहिंदा गांव में शरारती तत्वों ने मतपेटियों के अंदर पानी डालने का प्रयास किया और रोकने पर पथराव शुरू कर दिया। पुलिस ने पांच लोगों को हिरासत में ले लिया जिसकी सूचना पाकर तमाम लोग ईंट–पत्थर लेकर पहुंच गए। मतदान केंद्र की ओर कुछ पत्थर फेंके गए। जालौन के कालपी में फर्जी मतदान को लेकर दो प्रत्याशी और उनके समर्थकों के बीच जमकर मारपीट हुयी। इस दौरान कुछ लोगों ने हवा में गोली दागी। घटना में तीन महिलाओं समेत छह लोग घायल हुए हैं। पुलिस अधीक्षक डा. यशवीर सिंह ने बताया कि घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बलिया से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार दोकटी थाना क्षेत्र के कर्णछपरा गांव में फर्जी मतदान को लेकर बवाल हो गया। इस दौरान प्रधान पद के प्रत्याशियों के समर्थकों ने हवाई फायरिंग भी की। मतदान कर्मियों व सुरक्षाकर्मियों ने मतदान केंद्र के कमरों का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। पुलिस ने आकर हालात को काबू में किया। इस सिलसिले में कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। मुरादाबाद के थाना मैनाठेर क्षेत्र की ग्राम पंचायत नानकार में दो प्रत्याशियों के समर्थकों ने एक दूसरे पर फर्जी वोटिंग का आरोप लगाते हुए हंगामा किया और पथराव शुरू कर दिया। पुलिस ने बवाल कर रहे लोगों को लाठी पटक कर खदेड़ दिया। देवरिया में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। पीलीभीत से प्राप्त सूचना के अनुसार पूरनपुर के ग्राम पंचायत पिपरा मुजप्ता में वोटों को अपने पक्ष में करने के लिए प्रत्याशी ने बाहर से तांत्रिक को बुलाया। बाबाओं ने गांव के चौराहों पर सरसों और तिल बिखेर दी। ग्रामीणों ने इसका विरोध किया और ११२ डायल कर पुलिस बुला ली। पुलिस ने तांत्रिकों को हवालात में डाल दिया है। जिला पंचायत के वार्ड नंबर २३ थाना जहानाबाद के अमर गंज गांव में २१ प्रत्याशी होने के बावजूद बैलेट पेपर में मात्र १२ प्रत्याशियों के चुनाव चिन्ह दिखायी पड़े। करीब १५० वोट पड़ने के बाद ग्रामीणों ने हंगामा किया और मतदान निरस्त करने की मांग की। पीलीभीत में दोपहर एक बजे तक ३९.३५ प्रतिशत मतदान हुआ है। रायबरेली के लोरिकपुर में प्रधान प्रत्याशी की मौत के बाद चुनाव स्थगित कर दिया गया है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार ने कहा कि ४९७९८ मतदेय स्थल पर वोट डाले जा रहे हैं। इस दौरान सभी जगह कोविड नियमों की खुलकर धज्जियां उड़ायी गयीं और कोविड नियमों का खुला उल्लंघन दिखा लोग लाइनों में एक दूसरे के साथ इसकदर सटकर खड़े दिखे मानो करोना है ही नहीं। वहीं अपनी सफाई में निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार ने कहा सभी मतदान केन्द्र पर कोविड १९ के नियमों का पालन करते हुये सैनेटाइजर,मास्क का इंतजाम किया गया है। शाम ६ बजे तक जितने मतदाता लाइन में होंगे सभी अपना वोट डाल सकेंगे। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव के लिये राज्य पुलिस के अलावा पीएसी की ५५ कंपनी तथा केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की दस कंपनी तैनात की गई है। निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि सभी जिलों में मतदान शांति पूर्ण चल रहा है और कहीं से किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। इन जिलों में मतदाता ७४८ जिला पंचायत सदस्य ,१८५३० क्षेत्र पंचायत सदस्य, १४३७९ ग्राम प्रधान तथा एक लाख ८० हजार ४७३ ग्राम पंचायत सदस्यों का चुनाव करेंगे । बीस जिलों में तीन करोड़ पांच लाख ७१ हजार ६१३ मतदाता हैं।

होम आइसोलेट मरीजों से हर दिन हो संवाद : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एंटीजन टेस्ट के पजिटिव होने के बाद हस्पिटल में भर्ती करने के लिए आरटीपीसीआर टेस्ट के पजिटिव होने की कोई आवश्यकता नहीं है। मरीज को जितना जल्दी इलाज मिलेगा, वह उतना ही जल्द स्वस्थ होगा। योगी ने सोमवार को टीम–११ के साथ समीक्षा बैठक में कहा कि इंटीग्रेटेड कमांड एन्ड कंट्रोल सेंटर से मरीज को जो अस्पताल आवंटित किया गया है, वहां उसे एडमिट करना अनिवार्य है। जिलाधिकारी यह सुनिश्चित कराएं वरना जिम्मेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी। मुख्यमंत्री कार्यालय से इसकी मॉनिटरिंग की जायेगी। योगी ने कहा कि मौजूदा हालात में अस्पतालों में ओपीडी सेवाएं स्थगित हैं। ऐसे में टेलीकन्सल्टेशन को बढ़ावा दिया जाए। कोविड होम आइसोलेशन और नॉन कोविड मरीजों के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों की सूचीध्संपर्क माध्यम का व्यापक प्रचार–प्रसार कराया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि होम आइसोलेशन में इलाजरत मरीजों से सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से हर दिन संवाद बनाया जाए। उन्हें न्यूनतम एक सप्ताह की अवधि के लिए मेडिकल किट उपलब्ध कराया जाए। स्वास्थ्य मंत्री के स्तर से मेडिकल किट वितरण व्यवस्था की जिलेवार समीक्षा की जाए। सीएमओ की जवाबदेही तय की जाए। दवाओं का कोई अभाव नहीं है। योगी ने कहा कि ऑक्सीजन की आपूर्ति हर दिन बढ़ती जा रही है। रुड़की, काशीपुर, मोदीनगर के साथ–साथ बोकारो आदि प्लांट से लगातार आपूर्ति सुनिश्चित कराई जा रही है। एमएसएमई इकाइयों को भी सीधे अस्पतालों से लिंक कर आपूर्ति कराई जा रही है। टाटा और रिलायंस समूहों की ओर से भी प्रदेश को ऑक्सीजन आपूर्ति का प्रस्ताव मिला है। सम्बंधित लोगों से संवाद कर तत्काल आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए। उन्होने कहा कि सभी जिलों के प्रत्येक छोटे–बड़े अस्पताल की स्थिति पर नजर रखी जाए। जिसे भी जरूरत होगी, अक्सीजन जरूर मुहैया कराई जाए। ऑक्सीजन के सुचारु आपूर्ति–वितरण के लिए प्रदेश के सात संस्थाओं द्वारा अक्सीजन की ऑडिट भी कराई जा रही है। मंडलायुक्त और जिलाधिकारी सरकार के सतत संपर्क में रहें। व्यापक जनहित में कोई निर्णय लेने से पूर्व शासन को अवगत जरूर कराएं। योगी ने कहा कि कोविड से लड़ाई जीत चुके बहुत से लोग मरीजों की सेवा के इच्छुक हैं। ऐसे लोगों को प्रोत्साहित करने की जरूरत है। इनकी जिलेवार सूची तैयार कराएं। इनमें चिकित्सक होंगे, सैन्य कर्मी होंगे, पैरामेडिकल स्टाफ आदि हो सकते हैं। आवश्यकतानुसार अस्पतालों आदि में इनकी सेवाएं ली जाएं। रेमेडेसीवीर जैसी किसी भी जीवनरक्षक दवा का प्रदेश में अभाव नहीं है। हर दिन इसकी आपूर्ति बढ़ रही है। जिलों की मांग को देखते हुए रेमेडेसीवीर के पर्याप्त वॉयल उपलब्ध कराए जाएं। सरकारी अस्पतालों में यह इंजेक्शन निःशुल्क उपलब्ध है, जरूरत होगी तो निजी अस्पतालों को भी तय दरों पर रेमेडेसीवीर मुहैया कराई जाए। इसके साथ–साथ इसकी कालाबाजारी पर पुलिस लगातार

नजर रखे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले २४ घंटों में प्रदेश में २६,७१६ लोग उपचारित होकर डिस्चार्ज हुए हैं। प्रदेश में अब तक ८.०४ लाख से अधिक लोग कोविड संक्रमण से मुक्त हो चुके हैं। यह सुखद स्थिति 'दवाई भी–कड़ाई भी' के सूत्र को प्रभावी ढंग से अमल में लाने का परिणाम है। हमें टेस्टिंग और ट्रेसिंग को दोगुनी क्षमता में बढ़ाने की जरूरत है। इस दिशा में कार्यवाही की जाए। प्रदेश में अब तक ६७,८३,४१६ लोगों को कोविड टीके की पहली डोज दी जा चुकी है, जबकि २० लाख से अधिक लोगों को दोनों डोज लग चुकी है। इस तरह टीके की १,१७,८३,८८० डोज एडमिनिस्टर की जा चुकी है। प्रदेश में वैक्सीन की पर्याप्त उपलब्धता है। एक मई से शुरू हो रहे टीकाकरण के आगामी अभियान के संबंध में विधिवत पूरी तैयारी कर ली जाए। योगी ने कहा कि संक्रमण की तेज दर को देखते हुए वर्तमान संसाधनों में न्यूनतम दोगुने का विस्तार जरूरी है। हर तरह की चुनौती के लिए हमें तैयार रहना होगा। स्वास्थ्य विभाग और चिकित्सा शिक्षा विभाग बेड बढ़ोतरी के लिए कार्ययोजना तैयार कर लागू करे।स्वास्थ्य विभाग सभी जिलों में कम से कम दो–दो और सीएचसी को इस कार्य में जोड़ें। इसी तरह चिकित्सा शिक्षा विभाग नए मेडिकल कॉलेजों को डेडिकेटेड कोविड अस्पताल के रूप में तैयार कराए। इन अस्पतालों में अक्सीजन, वेंटिलेटर, प्रशिक्षित मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए। स्वास्थ्य विभाग तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग यह सुनिश्चित कराए कि सभी सरकारी और निजी अस्पताल जिनकी क्षमता १०० से अधिक बेड की है, उनके पास स्वयं का ऑक्सीजन प्लांट हो। यह कार्य प्रदेश में अभियान के रूप में चल रहा है। निजी क्षेत्र को भी प्रोत्साहित करें, सरकार सभी जरूरी सहयोग देगी। ऑक्सीजन प्लांट स्थापना की कार्यवाही तेज की जाए, इसकी हर दिन समीक्षा की जाए। इस कार्य में केन्द्र सरकार का भी सहयोग प्राप्त हो रहा है। प्लान्ट स्थापना में केन्द्र सरकार को अविलंब प्रस्ताव भेज दिया जाए। कोविड मरीजों के आवागमन के लिए सभी जिलों में पर्याप्त एम्बुलेंस उपलब्ध कराई गई हैं। यह सभी २४X७ क्रियाशील रहें। एम्बुलेंस का रिस्पॉन्स टाइम कम से कम होना चाहिए। हर जरूरतमंद को एम्बुलेंस मिले। जिलाधिकारी और सीएमओ को इसके लिए जिम्मेदार बनाया जाए। आमजन को बेड की उपलब्धता की समुचित जानकारी उपलब्ध कराई जाए। प्रदेश में ऐसे सभी हॉस्पिटल जहां कोरोना संक्रमित मरीजों का इलाज हो रहा है, प्रत्येक दिन में दो बार अस्पताल में रिक्त बेड का विवरण सार्वजनिक करें। यह विवरण जिले के इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर के पोर्टल पर भी अपलोड कराया जाए। बेड का आवंटन पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाना चाहिए। सभी जिला प्रशासन इस व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से लागू कराएं। पंचायत चुनाव में ड्यूटी करने वाले सभी कार्मिक मास्क व ग्लव्स का उपयोग करें। संक्रमण की दर में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए, पुलिस फोर्स को संक्रमण से सुरक्षित रखने के लिए विशेष ध्यान दिया जाए। कोरोना से बचाव के संबंध में व्यापक जागरूकता का कार्यक्रम संचालित किया जाए। इसके लिए पब्लिक एड्रेस सिस्टम का प्रभावी उपयोग किया जाए।

20–20 हजार में बेच रहे थे रेमडेसिविर का रैपर लगा इंजेक्शन

लखनऊ। कोरोना संक्रमण काल में दवा व्यापारी भी आपदा में अवसर खोज रहे हैं। आये दिन नकली दवाओं के कारोबारियों पर पुलिस शिकंजा कस रहा है, बावजूद उसके दवा व्यापारी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं और कोविड मरीजों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं। जो इंजेक्शन एंटीबायोटिक मार्केट में ८० से ९० रूपए का मिलता है उस इंजेक्शन के ऊपर नकली रेमडेसिविर का रैपर लगाकर १५ से २० हजार रूपए में बेचा जा रहा था। अमीनाबाद पुलिस ने ऐसे ही एक दवा कारोबारी और उसके पांच सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गये आरोपियों के बारे में जानकारी देते हुए एडीसीपी पश्चिम राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि इनके बारे में लोगों से सूचना मिल रही थी कि इंजेक्शन की बिक्री की जा रही है। उसके बाद जाल बिछाया गया तो कुछ सिपाहियों को ग्राहक बनाकर भेजा गया तो खेल कुछ और ही निकला। दरअसल वह रेमडेसिविर इंजेक्शन था ही नहीं, ८० से ९० रूपए की कीमत वाले इंजेक्शन पर रेमडेसिविर का रैपर लगाकर बेचा जा रहा था। इंजेक्शन

के बारे में जब जानकारों से पड़ताल करायी गई तो इस बात का खुलासा हुआ। इस संबंध में आरोपियों को गिरफ्तारी करने वाले अमीनबाद इंस्पेक्टर आलोक कुमार राय ने बताया कि आरोपियों की पुरानी मेडिसिन मार्केट के व्यापारी मनीष तिवारी उर्फ तपन निवासी मुरमुरी टोला मुसाहिब गंज और ठाकुरगंज में उसका साला विकास दिक्षित निवासी केदार विहार बालागंज, इनकी मेडिसिन मार्केट में लक्ष्मी इंटरप्राइजेज के नाम से दुकान है। इसके अलावा मोहित पाण्डेय, प्रवीण वर्मा, निवासी नत्थमपुर, कैसरगंज बहराइच, अब्दुश सुफियान निवासी सीतापुर लहरपुर व एक अन्य आरोपी को भी पकड़ा गया है। इंस्पेक्टर ने बताया कि मनीष तिवारी और विकास दिक्षित रैपर बदलवाते थे और अन्य आरोपी ग्राहक लाने का काम करते थे। ये लोग निजी अस्पतालों के भी संपर्क में थे। इस तरह के मामले सामने आने के बाद डॉक्टर और विशेषज्ञ मानते हैं यह लोगो के विश्ववास का खून है। डॉक्टर कहते हैं इस तरह के इंजेक्शन अगर डक्टरों के पास इनके माध्यम से पहुंच जायें तो डॉक्टर भी बदनाम होंगे। ऐसे आरोपियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। डॉक्टर कहते हैं इस तरह के कारोबारियों के चलते मरीजों की जान भी जा सकती है।

लखनऊ में महिला ने खुद को कमरे में बंद कर लगाई आग

लखनऊ । राजधानी में मंगलवार देर शाम एक महिला ने खुद को कमरे में बंद कर आग लगा ली। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महिला के पति ने उसके नंदोई पर प्रताड़ना और शारीरिक शोषण का आरोप लगाया है। आशियाना पुलिस

आरोपों की जांच कर रही है। मामला आशियाना क्षेत्र के रजनीखंड का है। यहां की रहने वाली एक महिला का पति पेंटर है। मंगलवार शाम महिला ने खुद को कमरे में बंद कर आग लगा ली। कमरे से आग की लपटें निकलती और चीख पुकार सुनकर उसकी दोनों बेटी और एक बेटा रोने लगा। शोर सुनकर आस–पड़ोस के लोग और बाहर बैठा महिला का पति आ गया। आनन–फानन में दरवाजा तोड़कर किसी तरह महिला को निकाला। पानी और कंबल डालकर आग पर काबू पाया। इसके बाद उसे गंभीर हालत में अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां महिला की हालात नाजुक बताई जा रही है। पति का आरोप है कि नंदोई करीब पांच साल से पत्नी का शारीरिक शोषण कर रहा था। वह बच्चों को जान से मारने की धमकी देकर पत्नी को डराता और धमकाता था। इस कारण पत्नी विरोध नहीं कर सकी और न ही किसी को घर में उसने जानकारी दी। महिला के पति ने बताया कि जब वह काम पर चला जाता तो नंदोई घर आता और पत्नी को प्रताड़ित करता था।इंस्पेक्टर आशियाना परमहंस गुप्ता ने बताया कि महिला या उसके पति ने पहले कभी शारीरिक शोषण किए जाने की कोई शिकायत नहीं की है। अब आरोप लगाया है। आरोपों की जांच की जा रही है। जो भी तथ्य जांच में आएंगे उसके आधार पर कार्यवाही की जाएगी।

जरूरतमंद मरीज के इलाज का खर्च उठाएगी सरकार : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकारी अस्पताल में बेड उपलब्ध नहीं होने की दशा में सम्बन्धित अस्पताल मरीज को निजी चिकित्सालय में सन्दर्भित करेगा। प्राइवेट हॉस्पिटल में मरीज यदि भुगतान में सक्षम नहीं होगा, तो ऐसी दशा में राज्य सरकार आयुष्मान भारत योजना के तहत अनुमन्य दर पर वहां उसके इलाज का भुगतान करेगी। योगी ने रविवार शाम मंडलायुक्त और जिलों के आला अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक में कहा कि लखनऊ, प्रयागराज और वाराणसी में रिकवरी की दर में वृद्धि एक सुखद संकेत है और महामारी के खिलाफ हर स्तर पर सभी के सहयोग और समन्वय के साथ पूरी मजबूती और दृढ़ता के साथ संघर्ष करना होगा, तभी इसके सुपरिणाम निकलेंगे और सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि सभी मण्डलायुक्त अपनी कमिशनरी के जिलों में कोविड बेड की संख्या में वृद्धि, ऑक्सीजन सहित जीवन रक्षक दवाओं की अनवरत उपलब्धता की समीक्षा करते हुए उपचार की प्रभावी व्यवस्था बनाए रखें। प्रत्येक जिले में रात्रिकालीन कोरोना कर्फ्यू रात्रि आठ बजे से सुबह सात बजे तक

लागू होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी सरकारी अथवा निजी अस्पताल बेड उपलब्ध होने पर कोविड पॉजिटिव मरीज को भर्ती के लिए मना न करे। यदि सरकारी अस्पताल में बेड उपलब्ध नहीं है, तो सम्बन्धित अस्पताल उसे निजी चिकित्सालय में सन्दर्भित करेगा। प्राइवेट हॉस्पिटल में मरीज भुगतान के आधार पर उपचार कराने में यदि सक्षम नहीं होगा, तो ऐसी दशा में राज्य सरकार आयुष्मान भारत योजना के तहत अनुमन्य दर पर वहां उसके इलाज का भुगतान करेगी। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में उपचार के अभाव में किसी भी मरीज का कोई नुकसान नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए कोविड प्रबन्धन व संक्रमित मरीजों के उपचार की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करनी होंगी। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों, जनपद के प्रभारी मंत्रियों तथा इण्डियन मेडिकल एसोसिएशन से संवाद बनाते हुए व्यवस्थाओं को और सुढ़ करने के भी कार्य किए जाएं। होम आइसोलेशन तथा अस्पताल में भर्ती मरीजों के साथ किसी भी प्रकार संवादहीनता न हो। होम आइसोलेशन में रह रहे मरीजों को मेडिकल किट उपलब्ध करायी जाए, जिसमें कम से कम सात दिन की दवाएं उपलब्ध हों। मुख्यमंत्री ने आगरा, प्रयागराज, कानपुर, गोरखपुर, वाराणसी, लखनऊ, मेरठ, सहारनपुर, अलीगढ़, मुरादाबाद, बरेली, आजमगढ़, अयोध्या, झांसी आदि मण्डलायुक्तों से संवाद कर उनके मण्डलों में कोरोना प्रबन्धन, बचाव व उपचार के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फील्ड में तैनात यह अधिकारी शासन एवं जिले के बीच एक अत्यन्त महत्वपूर्ण कड़ी हैं। इसलिए कोविड पर प्रभावी नियंत्रण करने में इनके दायित्व अत्यन्त चुनौतीपूर्ण हैं। योगी ने कहा कि राज्य सरकार ने युद्धस्तर पर प्रयास करके अक्सीजन आपूर्ति को सुचारु बनाए रखा है। अक्सीजन की कोई कमी नहीं है। इसकी उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। लेकिन इसके दुरुपयोग को हर हाल में रोकना होगा। यह सुनिश्चित किया जाए कि अक्सीजन का वेस्टेज किसी भी प्रकार से न हो। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी मण्डलायुक्त अपने मण्डल के सभी जिलों में अक्सीजन आपूर्ति की नियमित समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक १०० बेड के अस्पताल में अक्सीजन प्लांट स्थापित करने की कार्यवाही की जाए। इनके अलावा, जिलों में अक्सीजन प्लांट स्थापित करने की सम्भावनाओं के प्रस्ताव मुख्य सचिव को प्रेषित किए जाएं। जिनकी प्रति मुख्यमंत्री कार्यालय को भी भेजी जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अस्पताल में फायर सेफ्टी सम्बन्धी सभी तैयारियां व कार्यवाही सुनिश्चित की जाएं।

अद्भुत झोपड़ी : दस करोड़ में बिकने वाली झोपड़ी

अमरेन्द्र सहाय अमर

हर किसी की चाहत होती है कि उसका अपना एक निवास का ठिकाना हो . बडे लोग बडे बड़े बंगलों में रहते है. मध्यम श्रेणी के लोग, या नौकरी पेशा लोग अपनी जिन्दगी भर की कमाई से एक मध्यम श्रेणी का मकान बनवा पाते है. गरीब गुरबा लोग झोपडी या झोपड़ पट्टी में ही अपना गुजारा करते है. दुनिया में कई आलीशान मकान है जो कि करोड़ों में बिकते हैं. लेकिन ऐसे करोड़ो के मकानों का स्थापत्य, सौंदर्य और सुविधाएँ उच्च कोटि की होती हैं. ऐसे करोड़ों के मकान तो एक आम आदमी के लिए स्वप्न सरीखा होता है. आप एक छोटा सा मध्यम श्रेणी का फ्लैट खरीदो तो लाखो. करोड़ो कीमत लगती है . लेकिन क्या एक झोपडी की कीमत दस करोड़ हो सकती है. कोई भी इसे मानने को तैयार नही होगा कि झोपडी की कीमत दस करोड़. लेकिन यह सच है इंग्लैंड में एक ऐसी ही तालाब के किनारे पर स्थित झोपडी दस करोड़ में बिकी है. बाहर से सधारण सी दिखने वाली झोपडी में ऐसी क्या खासियत है कि वह दस करोड़ में बिकी. झोपडी के बिकने के बाद उसकी चर्चा चारो तरफ होने लगी कि झोपडी और दस करोड़ ? इस झोपडी के बिकने के बाद ही इसकी सच्चाई सामने आई। तब लोगों को बहुत आश्चर्य हुआ . बाहर से साधारण से झोपडी समान दिखने वाले मकान की आंतरिक सजावट इतनी बढिया थी जो महलों की आंतरिक सजावट को फेल कर दे .इस झोपडी की आन्तरिक सजावट बड़े बड़े बंगलो को मात दे रहे थे. बताया जाता है यह झोपडी नही तीन तीन बड़े रूम वाला अच्छा खासा मकान है. वर्ष १९६४ में इस झोपडी को बनाया गया था. वर्ष २०१६ में इसके मालिक ने इसे इसी आंतरिक संरचना और सजावट पर बहुत पैसा खर्च किया. वर्षों तक इस झोपड़ीनुमा मकान के सेलीब्रेटीज किराये पर रहते थे. उस समय लोगों को लगा कि तालब के किनारे स्थित होने के कारण लोग यहाँ रहने आते है लेकिन इसकी आंतरिक सजावट के बारे में लोगों को पता नही था. जब इसकी आंतरिक सजावट के बारे में लोगों को पता तब लगा जब इसके मालिक ने इसे दस करोड़ में बेचा. इस झोपडीनुमा मकान के मालिक के अनुसार पहले यह झोपडी तीन करोड़ में बिकी थी लेकिन तब यहाँ अधिक सुविधाएँ नही थी. इसके मालिक ने इसकी फोटो शेयर करते हुए लिखा आप सब इसे मामूली झोपडी समझने की गलती कट्टी न करे. अगर करते हैं तो यह आपकी भूल होगी. इस भूल को सुधारने के लिए आपको एक बार इसकी आंतरिक जावट को देखनी होगी।

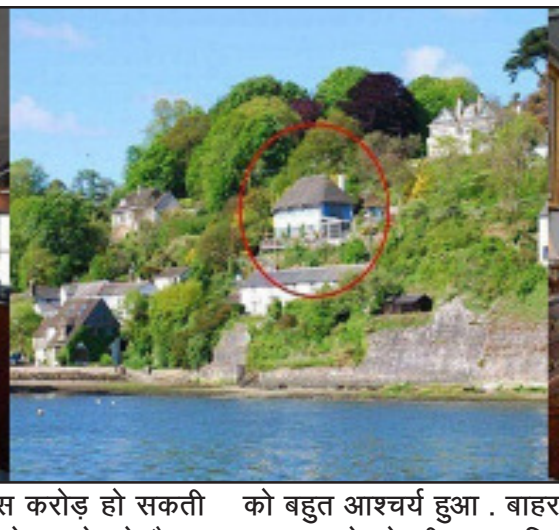

प्लाट दिलाने के नाम पर महिला समेत दो से ठगी

लखनऊ। प्लाट दिलाने के नाम पर जालसाजों ने महिला समेत दो लोगों से ३६ लाख रुपये ऐंठ लिए। पीड़ितों की तहरीर पर गोमतीनगर और विभूतिखंड पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। गोमतीनगर विस्तार के लोनापुर निवासी आशीष यादव ने प्लाट खरीदने के लिए बीते कुछ माह पूर्व परिचित संजय द्विवेदी से बात की। संजय ने अपने मिलने वाले मलेसेमऊ में रहने वाले फारुक से मुलाकात कर एक प्लाट उनके माध्यम से दिखाया।फारुक ने प्लाट खुद का होने का दावा किया। ३० लाख रुपये में सौदा तय हुआ। इंस्पेक्टर गोमतीनगर ने बताया कि पांच लाख रुपये एडवांस और २५ लाख रुपये आशीष ने किस्तों में दिए। सारा रुपया देने के बाद भी प्लाट की रजिस्ट्री के नाम पर फारुक और संजय टाल मटोल करने लगे। विरोध पर दो चेक दी वह भी बाउंस हो गईं। रुपये वापसी का दबाव बनाने पर दोनों धमकाने लगे। इसके बाद तहरीर देकर दोनों के खिलाफ गोमतीनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया।वहीं जानकीपुरम निवासी कंचन सिंह को प्लाट दिलाने के लिए शरद सक्सेना और शिवम ने संपर्क किया। मोहनलालगंज स्थित साउट पर दो प्लाट ढाई लाख रुपये में बुक कर दिए। कई किस्तों में कंचन ने उन्हें कुल छह लाख रुपये दिए। इसके बाद भी प्लाट की रजिस्ट्री नहीं हुई। कंचन ने रुपयों की मांग की तो टाल मटोल करने लगे। इसके बाद कंचन ने उच्चाधिकारियों को मामले की जानकारी दी। पूरे प्रकरण की जांच के बाद विभूतिखंड थाने में आरोपितों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। इंस्पेक्टर ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

ऑक्सीजन आपूर्ती में बाधा उत्पन्न करने वाले व्यक्ति को 'लटका देंगे' : हाईकोर्ट

नई दिल्ली। हाईकोर्ट ने ऑक्सीजन की कमी के देखते हुए आज फिर कड़े तेवर देखाए. कोर्ट ने कहा कि अगर केंद्र, राज्य या स्थानीय प्रशासन का कोई अधिकारी अक्सीजन की आपूर्ति में अड़चन पैदा कर रहा है तो 'हम उस व्यक्ति को लटका देंगे." न्यायमूर्ति विपिन सांघी और न्यायमूर्ति रेखा पल्ली की पीठ की ओर से उक्त टिप्पणी महाराजा अग्रसेन अस्पताल की एक याचिका पर सुनवाई के दौरान आई है. अस्पताल ने गंभीर रूप से बीमार कोविड मरीजों के लिए ऑक्सीजन की कमी को लेकर उच्च न्यायालय का रुख किया है. अदालत ने दिल्ली सरकार से कहा कि वह बताए कि कौन ऑक्सीजन की आपूर्ति को बाधित कर रहा है. पीठ ने कहा, " हम उस व्यक्ति को लटका देंगे. हम किसी को भी नहीं बख्शेंगे." दिल्ली हाईकोर्ट ने सरकार से कहा कि वह स्थानीय प्रशासन के ऐसे अधिकारियों के बारे में केंद्र को भी बताए ताकि वह उनके खिलाफ कार्रवाई कर सके. उच्च न्यायालय ने केंद्र से भी सवाल किया कि दिल्ली के लिए आवंटित प्रतिदिन ४८० मीट्रिक टन ऑक्सीजन उसे कब मिलेगी? अदालत ने कहा कि आपने (केंद्र ने) हमें (२१ अप्रैल को) आश्वस्त किया था कि दिल्ली में प्रतिदिन ४८० मीट्रिक टन ऑक्सीजन पहुंचेगी. हमें बताएं कि यह कब आएगी?" दिल्ली सरकार ने अदालत को सूचित किया कि उसे पिछले कुछ दिनों से रोजाना सिर्फ ३८० मीट्रिक टन ऑक्सीजन ही मिल रही है और शुक्रवार को उसे करीब ३०० मीट्रिक टन ऑक्सीजन मिली थी. इसके बाद अदालत ने केंद्र से सवाल किया. इसके सभी राज्यों का हाल कुछ ऐसा ही है. क्योंकि सरकारी अस्पताल में मरीजों को बेड के साथ–साथ ऑक्सीजन की किल्लत से भी परेशानी उठानी पड़ रही है. परिस्थितियों कुछ ऐसी बन गई है कि अस्पताल प्रबंधन भी अब हाथ उठाने लगा है. कल दिल्ली में ऑक्सीजन की कमी से हुई मौतों के बाद आज फिर एक बार राजस्थान के जयपुर में २० कोरोना संक्रमित मरीजों की मौत अक्सीजन के अभाव में हो गई. इसके साथ ही पंजाब में भी अक्सीजन की कमी के कारण कोरोना संक्रमित मरीजों ने दम तोड़ दिया. ऐसे हालातों में अक्सीजन की सप्लाई करना केंद्र सरकार के लिए अभी सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है.

लखनऊ के छावनी परिषद कोविड अस्पताल में गुरुवार से शुरू होगी भर्ती

लखनऊ। छावनी परिषद का कोविड केअर अस्पताल में मरीजो की भर्ती गुरुवार से शुरू हो जाएगी। पीपीपी मॉडल के तहत परिषद ने ४० बेड का एल–१ श्रेणी का यह आइसोलेशन सेंटर तोपखाना बाजार स्थित आरए बाजार इंटर कॉलेज में तैयार किया

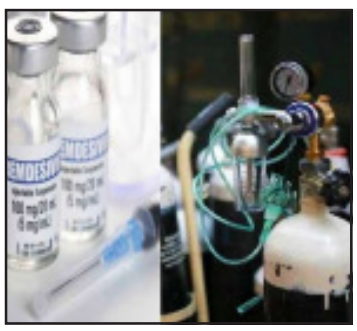

है। यहां बुधवार से फीवर क्लिनिक ओपीडी और टेलीमेडिसिन की सुविधा भी शुरू हो जाएगी। फीवर क्लिनिक ओपीडी में कोविड संक्रमित मरीज भी आकर कोई समस्या होने पर अपना इलाज करा सकेंगे। इस अस्पताल को रक्षा मंत्रालय के आदेश पर पीपीपी मॉडल के तहत तैयार किया गया है। जिसमें ४० बेड होंगे। इन ४० बेड में से २२ बेड पर अक्सीजन की सुविधा मिलेगी। इसके लिए १७ लाख रुपए की लागत से एक मिनी ऑक्सीजन प्लांट यहां लगा दिया गया है। पीपीपी मडल पर अस्पताल होने के बावजूद यहां छावनी परिषद का नियंत्रण रहेगा। उपचार में होने वाला खर्च सीजीएचएस की दर से ही लिया जाएगा। मंगलवार को इस अस्पताल में बेड की उपलब्धता भी करा दी गई। इस अस्पताल में जहां २४ घंटे डॉक्टर व पैरामेडिकल स्टाफ की उपलब्धता रहेगीं वही कोविड मरीजो के लिए दवाओं की भी होम डिलीवरी रहेगी। कोरोना मेडिकल किट जन औषधि केंद्र से कम दर पर वितरित की जाएगी। यहां आरटीपीसीआर की जांच अस्पताल और घर पर कराने की भी तैयारी है। परिषद के मुख्य अधिशासी अधिकारी विकास कुमार ने बताया कि इसके लिए लोहिया संस्थान को पत्र लिखा गया है। उनकी मंजूरी मिलने पर हम सैंपल कलेक्शन कर सकेंगे। हम इस अस्पताल की क्षमता १०० बेड तक करने का प्रयास कर रहे हैं। अस्पताल में भर्ती होने के लिए कोरोना संक्रमित रोगियों को ७३१११७७७६५ और ७३१११७७७६६ पर सम्पर्क करना होगा। इस नम्बर पर ही जांचों और दवा की होम डिलीवरी के लिए संपर्क किया जा सकेगा। यदि किसी मरीज का अक्सीजन लेवल ६४ से कम हुआ तो टेलीमेडिसिन के जरिये ६१२५०५३५६६ पर सम्पर्क कर सकते हैं।

भारत की मदद को तैयार अमेरिका, कोरोना वैक्सीन के लिए कच्चा माल देने की तैयारी

नई दिल्ली। भारत में कोरोना महामारी से हालात अब और खराब होते जा रहे हैं। कोरोना की चेन तोड़ने के लिए देष में लगाई जार रही कोरोना वैक्सीन के उत्पादन में तेजी लाने के प्रयास किए जा रहे है। कोरोना वैक्सीन के कच्चे माल के लिए भारत अपने मित्र राष्ट्र अमेरिका से लगातार अपील कर रहा है। बता दें कि पिछले दिनों अमेरिका ने कोरोना वैक्सीन बनाने के लिए आवश्यक अच्छे सामान के निर्यात पर रोक लगा दी थी। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस फैसले के बाद उनकी खूब आलोचना हुई। लोगों ने कहा कि जब अमेरिका में कोरोना का संकट आया तब भारत ने भी उसकी मदद की थी। ऐसे में अमेरिका का यह फैसला बिल्कुल गलत है। वह सिर्फ खुद के बारे में सोच रहा है। भारतीय एनएसए अजीत डोभाल और अमेरिकी जेक सुलिवन की बातचीत के बाद यह मामला सुलझता हुआ नजर आ रहा हैं। अमेरिका की ओर से अब सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। अमेरिका ने का कि इस मुश्किल की घड़ी में वह भारत

के साथ खड़ा है।भारत को वैक्सीन का कच्चा माल देने के लिए अमेरिका राजी हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक बयान जारी कर कहा है कि वह भारत को मदद के लिए प्रतिबद्ध है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक ट्वीट करते हुए कहा कि महामारी की शुरुआत में जब हमारे अस्पतालों पर भारी दबाव था उस समय भारत ने अमेरिका की मदद की थी। उसी तरह हम भारत की जरूरत के समय में मदद करने के लिए तैयार है। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने ये बयान अमेरिकी सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन के ट्वीट पर दिया है। जेक ने ट्वीट पर लिखा कि अमेरिका भारत के साथ खड़ा हैं और हर संभव मदद करने के लिए तैयार है। जरूरत पड़ने पर वह भारत को वैक्सीन बनाने के लिए आवश्यक हर कच्चे माल की सप्लाई करेगा। बता दें कि पिछले दिनों अमेरिका ने भारत को वैक्सीन के कच्चे माल की सप्लाई पर लगी रोक हटाने से इनकार कर दिया था। अमेरिका ने भारत को झटका देते हुए इस मांग को ठुकरा दिया था। अमेरिका ने कहा था कि उसका पहला दायित्व अमेरिकी लोगों की जरूरतों को पूरा करना है। उसके बाद वे किसी और देश के बारे में सोच सकते हैं।

उप मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा पीजीआइ के कोविड हॉस्पिटल में भर्ती

लखनऊ। कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर की चपेट में आने वाले उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री डा!. दिनेश शर्मा को मंगलवार को संजय गांधी पीजीआइ के कोविड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। उनकी पत्नी डॉ. जयश्री शर्मा को बीते शनिवार को ही संजय गांधी पीजीआइ के कोविड अस्पताल में भर्ती कराया गया था।उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने मंगलवार को दोपहर में ट्वीट से बेहतर चिकित्सकीय आवश्यकता के लिए स्वयं के अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी दी। आईसीयू में भर्ती डिप्टी सीएम का सिटी स्कैन और एक्सरे के साथ खून की जांच के नमूने लिए गए हैं। डॉ. दिनेश शर्मा बीती २१ अप्रैल को पत्नी डॉ. जयश्री शर्मा के साथ कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद होम आइसोलेशन में थे। डा. जयश्री शर्मा को सांस लेने में तकलीफ होने के कारण २४ अप्रैल को भर्ती कराया गया था। डॉ. दिनेश शर्मा ने बताया कि विगत दिनों मेरी कोरोना रिपोर्ट

पॉजिटिव होने के उपरांत डॉक्टरों की निगरानी में घर पर ही आइसोलेट था, आज बेहतर चिकित्सकीय आवश्यकताओं के लिए मुझे अस्पताल में भर्ती होना पड़ रहा है। मुझे विश्वास है की आप सभी की शुभकामनाओं से शीघ्र ही सीएम योगी आदित्यनाथ के सबल नेतृत्व में कोरोना के खिलाफ जंग जीता जा सकेगा। ईश्वर की अनुकम्पा से मैं स्वस्थ होकर पुनरू दोगुनी ऊर्जा से सम्पूर्ण प्रदेशवासियों की सेवा में तत्पर हो सकूंगा।गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ १४ अप्रैल को कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद २१ अप्रैल को डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा और उनकी पत्नी डॉ. जयश्री शर्मा भी कोरोना वायरस की चपेट में आ गए थे। उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा के साथ उनकी पत्नी जयलक्ष्मी शर्मा की कोरोना वायरस संक्रमण की टेस्ट रिपोर्ट बीती २१ अप्रैल को पजिटिव आई थी। इसके बाद वह डॉ. दिनेश शर्मा के साथ ऐशबाग में पैतृक आवास में होम आइसोलेशन में थीं। विधान परिषद सदस्य डॉ. दिनेश शर्मा की ५३ वर्षीय पत्नी चार दिन से होम आइसोलेशन में थीं।

कोविड संक्रमण से स्वस्थ होकर LDA उपाध्यक्ष ने की बैठक

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (लविप्रा) में एक बार फिर आवंटियों की समस्याएं सुनी जाएंगी। इसकी कवायद २७ अप्रैल को शुरू कर दी गई। कोविड संक्रमण से स्वस्थ होकर मंगलवार को आइएएस अभिषेक प्रकाश ने डीएम लखनऊ और लविप्रा उपाध्यक्ष दोनों चार्ज ग्रहण किया। प्राधिकरण में अफसरों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने आदेश दिए कि आवंटियों की समस्याएं प्राथमिकता पर निस्तारित की जाए। २८ अप्रैल से प्रतिदिन सुबह दस बजे से दोपहर दो बजे के मध्य प्राधिकरण भवन के गेट नंबर दो पर स्थापित कंप्यूटर कक्ष से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जनसामान्य की सुनवाई के लिए प्राधिकरण के संबंधित अधिकारी मौजूद रहेंगे। डीएम एवं लविप्रा उपाध्यक्ष कुछ दिनों से कोरोना संक्रमित होने के कारण अवकाश पर चल रहे थे, ठीक होने के बाद मंगलवार को

पहली बैठक ली। डीएम एवं लविप्रा उपाध्यक्ष ने इससे पूर्व उन कर्मियों को श्रद्धांजलि दी, जिनकी कोरोना संक्रमण में जानें जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न योजनाओं में सेनेटाइजेशन एवं फागिंग का कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता पर नियमित रूप से कराया जाए। इसके साथ ही प्राधिकरण के लिस्ट में जो महत्वपूर्ण कार्य हैं, उन्हें प्राथमिकता पर कराया जाए। इसके साथ ही जनसामान्य के कार्य पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने बैठक के दौरान अफसरों को शिकायतों को वर्चुअल सुनवाई के माध्यम से निराकरण कराने के लिए निर्देश दिए हैं। डीएम एवं लविप्रा उपाध्यक्ष अभिषेक ने बैठक में दो टूक कहा कि अफसर, अभियंता व कर्मी कोविड प्रोटोकाल का पालन अवश्य करे। कर्मचारी अपनी सुरक्षा का ध्यान व कोविड प्रोटोकाल का पालन करते हुए कार्यालय में उपस्थित रहकर कार्यों का निष्पादन करें।

बदल गई परिस्थितियां, घर में परिवार के बीच भी लगाना होगा मास्क

नई दिल्ली। भारत में कोरोना संक्रमण के चलते हर तरफ हाहाकार मचा हुआ है. ऐसे में अब समय आ गया है कि हमें घर पर रहते हुए भी मास्क लगाने की जरूरत है. नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके पॉने सोमवार को साफतौर पर कहा कि परिस्थितियां ऐसी हैं कि घर के अंदर परिवार के साथ रहने पर भी मास्क का प्रयोग करें. मास्क पहनना बहुत जरूरी है. यह समय किसी को भी घर पर बुलाने का नहीं है बल्कि घर पर रहने और घर पर भी मास्क लगाकर रहने का है. बिना जरूरत के बाहर ना जाएं. डॉ. ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में टीकाकरण कार्यक्रम को प्रभावित नहीं होने दे सकते. महिलाएं माहवारी के समय भी वैक्सीन का टीका लगवा सकती है. टीकाकरण को टालने की कोई आवश्यकता नहीं है. एम्स के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया ने कहा कि शुरुआती लक्षण दिखने पर खुद को तत्काल आइसोलेट करें रिपोर्ट आने तक का इंतजार ना करें. उन्होंने कहा कि ऐसे में आरटी–पीसीआर टेस्ट निगेटिव आने की संभावना है, लेकिन फिर भी लक्षण को देखते हुए खुद को संक्रमित मानें और सभी गाइडलाइन का पालन करें. इसके अलावा स्वास्थ्य संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने मास्क नहीं लगाने पर बढ़ने वाले खतरे की बात की. उन्होंने कहा कि अगर दो लोग मास्क नहीं पहनते हैं और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं करते हैं तो इससे कोरोना संक्रमण का खतरा ६० फीसदी तक बढ़ सकता है. वहीं अगर व्यक्ति मास्क लगाता है और गाइडलाइन का पालन करता है तो खतरा ३० फीसदी तक कम हो सकता है. डॉक्टर्स का कहना है कि एक संक्रमित व्यक्ति ३० दिनों में ४०६ लोगों को संक्रमित कर सकता है.लेकिन कोरोना संबंधित गाइडलाइन का पालन किया जाता है तो यह खतरा ३० प्रतिशत तक कम हो सकता है. ऑक्सीजन के मुद्दे पर गृह मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव ने कहा कि भारत सरकार ने विदेशों से ऑक्सीजन टैंकर्स को खरीदने और किराए पर मंगाने के आदेश दिए हैं।

कोरोना वायरस की वैक्सीन मजबूत, संक्रमित को नहीं पड़ रही मेडिकल ऑक्सीजन की जरूरत

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का देश के हर नागरिक को कोरोना कैक्सीन उपल्बध कराने की सोच बेहद दूरगामी है। यह वैक्सीन सभी के लिए कोरोना वायरस के संक्रमण से लडने के लिए बेहद ही मजबूत सुरक्षा कवच है। इस वैक्सीन की एक भी डोज लेने के बाद कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर के चपेट में आने वाले लोगों को मेडिकल ऑक्सीजन की जरूरत नहीं पड़ रही है। वैक्सीन की दोनों डोज लेने के बाद भी संक्रमित अधिकांश लोग होम आइसोलेशन में हैं, जहां पर उनको मेडिकल ऑक्सीजन की जरूरत नहीं पड़ रही है। इसके साथ ही इनका रिकवरी रेट भी काफी बेहतर है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी एक मई से १८ वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को कोरोना रोधी टीका लगवाने की बड़ी तैयारी कर ली है। प्रदेश सरकार ने इसके लिए एक करोड़ डोज का ऑर्डर दिया है। माना जा रहा है कि २६ अप्रैल तक प्रदेश में कोवैक्सीन और कोविशील्ड की ५०–५० लाख डोज उपलब्ध होगी। प्रदेश में कोरोना वैक्सीन की डोज ले चुके कुछ लोग भले ही कोरोना वायरस की चपेट में हैं, लेकिन दो–चार केस को छोड़कर उनके

जीवन पर संकट नहीं आ हा है। मेडिकल एक्सपर्ट्स भी मान रहे है कि कोरोना वैक्सीन के डोज लेने वालों में रिकवरी रेट बिना डोज वालों की अपेक्षा बेहतर देखने को मिल रहा है। जिन लोगों ने टीका लगवा रखा है, उनमें संक्रमण के गंभीर लक्षण और मेडिकल अक्सीजन सपोर्ट की जरूरत नहीं पड़ रही है। जिन्हें एक भी डोज लगा है, वह संक्रमित होने पर भी दूसरी लहर के संक्रमण को मात देकर स्वस्थ हो रहे हैं।किंग जार्ज मेडिकल कॉलेज के चिकित्साों का मानना है कि कोरोना वायरस टीकाकरण काफी लाभ देने वाला है। इसके टीकाकरण के बाद भी संक्रमित होने वालों का संक्रमण परिवारों में नहीं फैल रहा है। इसमें इस दौरान सामान्य बुखार और हल्के बदन दर्द जैसे लक्षण देखने को मिल रहे हैं। कोरोना रोधी टीका लगवाने वालों का संक्रमित होने के बाद रिकवरी रेट बहुत अच्छा है। यह लोग कम से कम समय में इससे उबर भी जा रहे हैं। इनकी रिपोर्ट सप्ताह भर में रिपोर्ट निगेटिव आ रही है। इन सभी के आक्सीजन का स्तर भी सामान्य ही रह रहा है। इसका लाभ डॉक्टर्स के अलावा अन्य टीका की डोज लेने वालों को भी मिला है।

लखनऊ से दो और ऑक्सीजन एक्सप्रेस बोकारो रवाना

लखनऊ। ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए सोमवार सबसे राहत भरा दिन रहा। एक तरफ जहां चार लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन टैंकरों से ७५ मीट्रिक टन ऑक्सीजन लेकर सोमवार सुबह ६:४० बजे ऑक्सीजन एक्सप्रेस बोकारो से आ गई। वहीं ठीक १८ घंटे बाद रात १२:४५ बजे ही चार टैंकरों में ७५ मीट्रिक टन ऑक्सीजन दूसरी ऑक्सीजन एक्सप्रेस से लखनऊ पहुंची। इस तरह एक ही दिन में लखनऊ तक १५० मीट्रिक टन लिक्विड ऑक्सीजन गैस की आपूर्ति हो गई। वहीं लखनऊ को निर्बाध रूप से ऑक्सीजन की आपूर्ति होती रहे। इसके लिए रेलवे मिशन मोड पर खाली टैंकरों को लगातार बोकारो भेज रहा है। लखनऊ से जहां सोमवार रात आठ बजे तीन टैंकरों को लेकर ऑक्सीजन एक्सप्रेस बोकारो गई थी। वहीं दूसरी ओर मंगलवार दोपहर १२ बजे चार ऑक्सीजन टैंकरों के साथ दूसरी ट्रेन भी रवाना हुई। सोमवार को बोकारो से पांच लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन को लेकर सुबह ७ :

४५ बजे अक्सीजन एक्सप्रेस रवाना हुई थी।यह अक्सीजन एक्सप्रेस शाम ७: ३० बजे वाराणसी पहुंची। यहां पर इसका एक टैंकर हटा दिया गया। पांच मिनट बाद ही ऑक्सीजन एक्सप्रेस वाया सुल्तानपुर लखनऊ के लिए रवाना हो गई। ग्रीन कॉरिडोर के जरिये रात १२ :४५ बजे ऑक्सीजन एक्सप्रेस लखनऊ आ गई। डीआरएम संजय त्रिपाठी ने बताया कि लखनऊ ही नही आसपास के कई शहरों को निर्बाध अक्सीजन की आपूर्ति हो सके। इसके लिए राज्य सरकार की ओर से खाली टैंकरों की उपलब्धता कराई जा रही है। हमारे पास पर्याप्त संख्या में ऑक्सीजन एक्सप्रेस के रैक मौजूद हैं। जरूरत पड़ी तो सेना के पंजाब सहित कई बेस से और रैक मंगवा लेंगे। एडीआरएम आपरेशन अश्विनी श्रीवास्तव के नेतृत्व में इनका संचालन हो रहा है। लखनऊ से सोमवार रात रवाना हुआ रैक मंगलवार शाम तक बोकारो पहुंच जाएगा। हम बुधवार रात तक पांचवी ऑक्सीजन एक्सप्रेस के आने की उम्मीद कर रहे हैं।

कोविड १९ महामारी से निपटने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगी सेना और रक्षा संस्थान : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। भारत में कोरोना महामारी के तांडव को देखते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज शनिवार को कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उपक्रमों और आयुध कारखाना बोर्ड के सभी चिकित्सा प्रतिष्ठानों को कोरोना वायरस से संक्रमित आम लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की अनुमति दे दी गई है. सिंह ने यह भी कहा कि सशस्त्र बल और रक्षा मंत्रालय महामारी से निपटने के लिये नागरिक प्रशासनों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे. राजनाथ सिंह ने वीडियो कन्फ्रेंस के माध्यम से भारत में कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर के विरूद्ध लड़ाई में सहयोग कर रहीं मंत्रालय की विभिन्न इकाइयों के प्रयासों की समीक्षा बैठक की. इसमें प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत, सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे, नौसेना प्रमुख एडमिरल करमबीर सिंह और रक्षा एवं अनुसंधान विकास संगठन के अध्यक्ष जी सतीश रेड्डी तथा अन्य अधिकारी शामिल हुए. उन्होंने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी.रक्षा मंत्री ने जानकारी देते हुए कहा कि कोरोना संक्रमितों के इलाज में इस्तेमाल की जा रही चिकित्सीय अक्सीजन का तेजी से परिवहन सुनिश्चित करने के लिए वायुसेना ने शुक्रवार से खाली अक्सीजन टैंकरों और कंटेनरों को देश के विभिन्न फिलिंग स्टेशनों तक पहुंचाने का काम शुरू कर दिया. कोरोना संक्रमण के तेजी से बढ़ते मामलों से निपटने के लिए सेना के तीनों अंगों के साथ–साथ रक्षा मंत्रालय की अन्य इकाइयां भी विभिन्न राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों को सहयोग प्रदान कर रही हैं. साथ ही रक्षा मंत्री ने कहा कि डीआरडीओ

दिल्ली हवाई अड्डे के निकट स्थित अपने सरदार वल्लभभाई पटेल अस्पताल में शनिवार शाम तक २५० और बिस्तरों का प्रबंध करेगा. इसके बाद अस्पताल में बिस्तरों की कुल संख्या बढ़कर ५०० हो जाएगी साथ गुजरात में १,००० बिस्तरों वाले अस्पताल का संचालन शुरू हो चुका है. लखनऊ में कोविड–१६ (ब्टप्क १६) उपचार प्रतिष्ठान का निर्माण कार्य पूरे जोर–शोर के साथ चल रहा है और पांच–छह दिन में उसका संचालन शुरू हो जाएगा. सशस्त्र बल चिकित्सा सेवाएं उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से अस्पताल का संचालन करेगा.

भारतीय रेलवे ने शुरू की ७ समर स्पेशल ट्रेनें, जानें ट्रेनों का पूरा विवरण

नई दिल्ली। कोरोना की बढ़ती रफ्तार के बीच लगातार प्रवासी मजदूर का प्रलायन जारी है। कोरोना के कारण लॉकडाउन की वजह से इनकी रोजी–रोटी का संकट बढ़ जाता है। ऐसे में इनके पास वापस घर लौटने के अलावा और कोई विकल्प नहीं रहता। इसी के मध्यनजर भारतीय रेलवे ने एक बार फिर इन मजदूरों को अपने घरों तक पहुंचाने के लिए बड़ी पहल की है। इन प्रवासियों को वापस घर पहुंचाने के लिए भारतीय रेलवे ना सिर्फ ट्रेनों के फेरे बढ़ा रहा है बल्कि कई स्पेशल ट्रेनें भी चला रहा है। रेलवे, यात्रियों की मांग के अनुसार समर स्पेशन ट्रेनें चला रहा है। दिल्ली से बिहार के लिए ७ नई ट्रेनें चलाई जा रही हैं। उत्तर रेलवे के प्रवक्ता ने एक बयान में यह जानकारी दी है। २७ अप्रेल मंगलवार से ०४४७४ दिल्ली–मुजफ्फरपुर समर स्पेशल रेलगाड़ी मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, शाहजहान पुर, लखनऊ, बाराबंकी जं., गोंडा आदि को कवर करेगी। ये दिल्ली से रात्रि ११.०० बजे प्रस्थान कर अगले दिन रात्रि ०६.०० बजे मुजफ्फरपुर पहुंचेगी। नई दिल्ली–भागलपुर समर स्पेशल ट्रेन भी मंगलवार से शुरू हो रही है। ट्रेन नंबर ०४४७६ नई दिल्ली से रात ११.५५ बजे प्रस्थान करके अगले दिन रात्रि ०६.३० बजे भागलपुर पहुंचेगी। ये ट्रेन कानपुर सेंट्रल, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं., पटना, पटनासाहिब, फतवा, बख्तियारपुर, बाढ़, मोकामा, हाथीदाह, क्यूल, कजरा, अभयपुर, जैसे स्टेशन कवर करेगी। दिल्ली–सहरसा समर स्पेशल बुधवार २८ अप्रेल से शुरू होगी। ट्रेन नंबर ०४४७८ दिल्ली से रात ११.०० बजे चलेगी और हापुड़ मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, लखनऊ, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, देवरिया सदर जैसे स्टेशन कवर हुई अगले दिन देर रात १२ बजे सहरसा पहुंचेगी। नई दिल्ली–जयनगर समर स्पेशल ट्रेन नंबर ०४४८० दिल्ली से २६ अप्रेल रात ११.५५ बजे चलेगी। जो मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, हरदोई, आलम नगर, लखनऊ, बाराबंकी जं., रुदौली जैसे स्टेशनों को कवर करेगी। दिल्ली–कटिहार समर स्पेशल ट्रेन दिल्ली से रात ११ बजे चलकर २ मई को तड़के ४ बजे कटिहार पहुंचेगी। दिल्ली–दरभंगा समर स्पेशल ट्रेन नंबर ०४४८४ नई दिल्ली से रात ११.५५ बजे प्रस्थान करेगी जो अगले दिन रात ११ बजे दरभंगा पहुंचेगी। नई दिल्ली–सीतामढ़ी समर स्पेशल ट्रेन नंबर ०४४८२ दि से रात ११ बजे चलेगी तीसरे दिन सुबह ०२.१० बजे सीतामढ़ी पहुंचेगी।

70 टन जीवनदायिनी लेकर दिल्ली पहुंची ऑक्सीजन एक्सप्रेस

नई दिल्ली द्य देश में कोरोना महामारी का प्रकोप बना हुआ है कोरोना मरोजों के लिए ऑक्सीजन की कमी बनी हुई है दिल्ली के लिए करीब ७० टन जीवनदायिनी ऑक्सीजन को अब दिल्ली सरकार के विभिन्न अस्पतालों को पहुंचाया जायेगा। रेल मंत्री पीयूष गोयल ने ट्वीट किया, दिल्ली में मरीजों के लिए ऑक्सीजन के साथ छत्तीसगढ़

ऑक्सीजन के साथ पहली ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेन आज सुबह दिल्ली पहुंच गई। अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस के रायगढ़ से ऑक्सीजन एक्सप्रेस दिल्ली पहुंच गयी है। भारतीय रेल कोविड–१६ के खिलाफ हमारी जंग में कोई कसर नहीं छोड़ेगी और देश भर में जीवनदायिनी संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करेगी। इससे पहले रेलवे ने कहा था कि उसने अंगुल, कलिंगनगर, राउरकेला और रायगढ़ से दिल्ली एवं एनसीआर क्षेत्र के लिए चिकित्सकीय ऑक्सीजन पहुंचाने की योजना तैयार की है। हालांकि राष्ट्रीय राजधानी में ऐसी दूसरी ट्रेन के पहुंचने की कोई सूचना नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली सरकार को अस्पतालों तक ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए सड़क मार्ग से टैंकरों का इंतजाम करना होगा। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार दिल्ली में सोमवार को एक दिन में संक्रमण के सर्वाधिक मामले सामने आये और ३८० लोगों की मौत हुई जबकि संक्रमण दर ३५ प्रतिशत से ऊपर रही।

पद्मभूषण पंडित राजन मिश्रा का कोरोना से निधन, समय पर नहीं मिला इलाज थम गई सांस

नई दिल्ली। अपनी समधुर आवाज से बनारस की संगीत परंपरा को बुलंदियों तक पहुंचाने वाले पंडित राजन मिश्र का रविवार को कोरोना से निधन हो गया. पंडित राजन मिश्र ने दिल्ली के एक अस्पताल में आखिरी सांस ली. पंडित राजन

मिश्र विश्वभर में मिश्र बंधुओं के नाम से विख्यात थे, उनकी जोड़ी अपने छोटे भाई पंडित साजन मिश्र के साथ थी. बड़े भाई पंडित राजन मिश्र को समय पर इलाज नहीं मिलने से अब यह जोड़ी टूट गई है. दोनों भाइयों ने पूरे विश्व में खूब प्रसिद्धी हासिल की. पद्म भूषण पंडित राजन मिश्रा को गंभीर हालत में रविवार को दिल्ली के सेंट स्टीफन अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उन्हें वेंटिलेटर नहीं मिलने पर गंगाराम अस्पताल ले जाया गया। वहीं उनकी सांसे थम गई। उन्हें कोरोना संक्रमण के अलावा हृदय से जुड़ी समस्याएं भी थीं. राजन मिश्र का विवाह पं. बिरजू महाराज की पुत्री कविता से हुआ था. उनके पुत्र रितेश और राजनीश भी गायन के क्षेत्र में खासी पहचान कायम कर चुके हैं. पंडित राजन मिश्र के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संवेदना व्यक्त की है. पीएम के अलावा पद्मभूषण पं. विश्वमोहन भट्ट, बनारस की शंकर गिटार वादिका कमला शंकर, उज्जैन की संतूर वादक वर्षा अग्रवाल, शास्त्रीय गायिका मीता पंडित, पद्मश्री तिलक गिताई, पद्मश्री शाकिर अली और गायिका इला अरुण सहित कई कलाकारों ने भी संवेदना प्रकट की हैं. प्रधानमंत्री ने ट्वीट कर कहा कि, शास्त्रीय गायन की दुनिया में अपनी अमिट छाप छोड़ने वाले पंडित राजन मिश्र जी के निधन से अत्यंत दुख पहुंचा है. बनारस घराने से जुड़े मिश्र जी का जाना कला और संगीत जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है. शोक की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिजनों और प्रशंसकों के साथ हैं. ओम शांति! बनारस घराने से ताल्लुक रखने वाले राजन मिश्रा ख्याल शैली के भारत के प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक थे। इन्हें सन २००७ में भारत सरकार द्वारा कला के क्षेत्र में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। उन्होंने १९७८ में श्रीलंका में अपना पहला संगीत कार्यक्रम पेष करने के बाद उन्होंने जर्मनी, फ्रांस, स्विट्जरलैंड, अस्ट्रिया, संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, नीदरलैंड, यूएसएसआर, सिंगापुर, कतर, बांग्लादेश और दुनिया भर के कई देशों में प्रदर्शन किया।

गुरुवार से सुबह १० बजे से ४ बजे तक ही खुलेगी दुकानें व्यापारिक संगठनों ने लिया संयुक्त निर्णय

कृष्ण कुमार शुक्ला

गोला गोकरननाथ खीरी। नगर क्षेत्र के सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान आगामी गुरुवार २६ अप्रैल से नए टाइम टेबल के हिसाब से खोले जाएंगे। यह निर्णय मंगलवार को सभी व्यापारिक संगठनों ने संयुक्त बैठक करके लेते हुए कहा है कि कोविड–१६ संक्रमण को देखते हुए उपरोक्त निर्णय लिया जाना अत्यावश्यक था। सभी व्यापारिक संगठनों ने तय किया है कि गुरुवार से सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान सुबह १० बजे से अपरान्ह ४ बजे तक ही खोले जाएंगे। फल ,दूध ,सब्जी ,मेडिकल स्टोर जैसी आवश्यक सुविधाओं को इस प्रतिबंध से अलग रखा गया है। जानकारी के अनुसार मंगलवार को संयुक्त व्यापार मंडल की अति आवश्यक बैठक नत्थू लाल आनंद कुमार सर्राफ के प्रतिष्ठान पर गोला व्यापार एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय कुमार महेश्वरी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में नगर के सभी व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। वर्तमान में कोरोना महामारी से व्यापारी समाज को बचाने हेतु सर्व सम्मत से गोला नगर के व्यापार की समय सीमा को दिनांक २६ अप्रैल से और ६ मई तक प्रातः १० बजे से सायं ४ बजे तक सरकार द्वारा जारी की गई कोविड गाइडलाइन का पालन करते हुए व्यापार करने की अपील की गई है। आवश्यक वस्तुओं जैसे मेडिकल, दूध, फल, सब्जी को इस समय सीमा से मुक्त रखा गया है ।उपरोक्त समय सीमा का उल्लंघन करने वाले व्यापारियों को प्रथम बार में ६ एक हजार व दूसरी बार में ६ दो हजार जुर्माना वसूल किया जाएगा जो कि सरकार के कोविड–१६ फंड में जमा किया जाएगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि सरकार द्वारा घोषित शनिवार और रविवार को पूर्णतया लाक डाउन रहेगा। बैठक में उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के नानक चंद वर्मा, कैलाश चंद गुप्ता, बालकिशन गुप्ता ,गोपाल शुक्ला, पंकज हालन ,जितेंद्र गट्टानी, अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के विनोद स्वर्णकार, प्रवीण गुप्ता, गोला व्यापार एसोसिएशन के राजेश आनंद, उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के सन्नी गुप्ता ,साहित्य गुप्ता ,उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के राम मोहन सोनी ,विनोद मिश्रा ,विनोद गुप्ता ,शिव कुमार सोनी ,आनंद सोनी उपस्थित रहे। व्यापारियों ने उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष पंडित श्याम बिहारी मिश्रा वह नगर के व्यापारी व आम जनों के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए २ मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की।

विवाहिता ने लगाया दुराचार के प्रयास का आरोप पुलिस को तहरीर देकर की कार्रवाई की मांग

गोला गोकर्णनाथ खीरी। थाना क्षेत्र के ग्राम दौलतगंज निवासी एक विवाहिता युवती ने एक ग्रामीण पर घर में घुसकर दुराचार करने का प्रयास किए जाने का आरोप लगाया है। महिला ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि आरोपी पहले भी एक बार प्रयास कर चुका है। तब भी उसने पुलिस को तहरीर दी थी परंतु कोई कार्रवाई नहीं हुई थी। महिला का कहना है कि घटना के समय उसका पति घर पर नहीं था। रात का समय था और वह अकेली थी। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के ग्राम दौलतगंज निवासी एक विवाहित महिला ने पुलिस को तहरीर देकर कहा है कि बीती रात वह अपने घर पर अकेली थी ।उसका पति कहीं बाहर गया हुआ था। महिला का आरोप है कि रात में अकेले होने का फायदा उठाकर ग्राम वासी सुभाष पुत्र रजाक घर में घुस आया और वद्नीयत से उसको दबोच लिया और दुराचार का प्रयास करने लगा। महिला का कहना है कि उसके लगातार विरोध करने के कारण आरोपी अपने दुष्प्रयास में सफल नहीं हो सका। महिला ने तहरीर में कहा है कि आरोपी जब भागकर गया तो अपना मोबाइल उसके बिस्तर पर ही छूट गया । महिला ने पुलिस को दी गई तहरीरमैं कहा है कि आरोपी लगातार फोन करके ६ ामकियां दे रहा है कि अगर पुलिस में रिपोर्ट की तो तुम्हें जान से मार देंगे। महिला ने तहरीर में यह भी लिखा है कि आरोपी एक बार पहले भी इस तरह की घटना को अंजाम दे चुका है। तब भी महिला ने पुलिस को तहरीर दी थी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई थी। महिला का कहना है कि वह उपरोक्त घटना से बहुत डरी हुई है और जान का खतरा बना हुआ है महिला ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

नाराज होकर निकले युवक ने लगाई फांसी

गोला गोकरननाथ खीरी। थाना क्षेत्र के ग्राम भुसौरिया निवासी एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली ।जानकारी के अनुसार युवक घर से किसी बात पर नाराज होकर निकला था उसके बाद ही उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के ग्राम भुसौरिया निवासी प्रदीप चौहान १६ वर्ष पुत्र वीरू सिंह के ५ पुत्र हैं। सबसे छोटा प्रदीप अभी अविवाहित था। बताते हैं कि सोमवार की शाम किसी बात पर प्रदीप की घर में कहासुनी हो गई और उसके बाद वह घर से बाहर निकल गया। इसके बाद प्रदीप अपने घर वापस नहीं गया और मंगलवार की सुबह उसका शव भुसौरिया बाईपास के निकट महेंद्र गिरी की प्लाटिंग में एक बाउंड्री वाल के किनारे लटकता हुआ पाया गया। कोतवाली प्रभारी अरविंद कुमार पांडे ने बताया की आत्महत्या करने का कोई कारण अभी सामने नहीं आ रहा है। मृतक के शव को पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है ।परिजनों ने बताया है कि रात १० बजे के आसपास किसी बात पर नाराज होकर घर से निकला था। मृतक ५ भाई हैं। जिनमें प्रदीप सबसे छोटा था। प्रदीप मेहनत मजदूरी करने का काम करता था और किसी से कोई रंजिश नहीं बताई गई है। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

कोरोना के कारण प्रतियोगी युवाओं के भविष्य पर विपरीत प्रभाव

लखनऊ। कोरोना वायरस संक्रमण की भयावह स्थिति का प्रतियोगी युवाओं के भविष्य पर विपरीत प्रभाव पड़ने लगा है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग ने अप्रैल और मई महीने की महत्वपूर्ण परीक्षाएं व साक्षात्कार स्थगित कर दिए हैं। स्थिति न सुधरने पर आने वाले दिनों में और भी परीक्षाएं टल सकती हैं। इससे महीनों से परीक्षाओं की तैयारी कर रहे प्रतियोगियों को बड़ा झटका लगा है। हर कोई अपने भविष्य को लेकर चिंतित है।उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग ने विज्ञापन संख्या–४६ के तहत निकली प्राचार्य पद की भर्ती का साक्षात्कार स्थगित कर चुका है। आयोग ने ११ तक होने वाले शैक्षिक अभिलेखों का सत्यापन व १३ मई तक चलने वाले साक्षात्कार को स्थगित कर दिया है। वहीं, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने आरओध एआरओ–२०१६ के चयनित अभ्यर्थियों के शैक्षिक दस्तावेजों का सत्यापन स्थगित कर दिया है। यह २२ से २४ अप्रैल के बीच होना था। इससे चयनितों को जल्द नियुक्ति मिलने के मंसूबे पर पानी फिर गया है।वहीं, प्रवक्ता राजकीय डिग्री कालेज स्क्रीनिंग परीक्षा स्थगित की जा चुकी है। मौजूदा स्थिति का देखते हुए मई के साथ ही जून में होने वाली परीक्षाओं पर भी संकट मंडरा रहा है। वहीं, कर्मचारी चयन आयोग ने एसआइ–२०१६ पेपर–२ की परीक्षा स्थगित कर दिया, जबकि १२ अप्रैल को आरंभ हुई कंबाइंड हायर सेकेंड्री (१०२) लेवल परीक्षा–२०२० टियर–१ की परीक्षा को १६ अप्रैल को रोक दी गई। यह परीक्षा २६ अप्रैल तक चलनी थी। अब बची परीक्षाओं की तारीख बाद में घोषित की जाएगी।इसी तरह से माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड उत्तर प्रदेश की टीजीटी २०१६ का साक्षात्कार भी स्थगित हो चुका है। इन दिनों जिस तरह के हालात हैं, उसमें परीक्षाओं की नई तारीखें घोषित होने के आसार अभी नहीं हैं।

यूपी में ऑक्सीजन व दवाओं की कालाबाजारी में कई गिरोह सक्रिय

लखनऊ। कोरोना वायर के बढ़ते संक्रमण के बीच दवाओं और ऑक्सीजन की कालाबाजारी भी धड़ल्ले से हो रही है। उत्तर प्रदेश में कई गिरोह सक्रिय हैं, जिन पर पुलिस का शिकंजा भी लगातार कस रहा है। पुलिस ने १० दिनों में विभिन्न जिलों में कार्रवाई की है और कालाबाजारी में लिप्त ५७ आरोपितों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचाया है। एडीजी कानून–व्यवस्था प्रशांत कुमार का कहना है कि अब तक पकड़े गए सभी आरोपितों के विरुद्ध रासुका व गैंगेस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई सुनिश्चित कराई जा रही है। कई आरोपितों की तलाश भी चल रही है। उत्तर प्रदेश पुलिस ने दवाओं व ऑक्सीजन की कालाबाजारी में गिरफ्तार आरोपितों के कब्जे से ७४७ रेमडिसिविर इंजेक्शन, ३४६ अक्सीजन सिलेंडर, २४० अन्य इंजेक्शन, ११.३७ लाख से अधिक रुपये व चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं। प्रदेश पुलिस ने यह कार्रवाई बीते दस दिनों में की है। आरोपियों से बरामद इंजेक्शन और सिलेंडर का उपयोग केस प्रापर्टी बनाने के बजाय लोगों के इलाज में किया जा रहा है।लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, गौतमबुद्धनगर, मेरठ समेत कई जिलों में कालाबाजारी कर रहे आरोपितों के कुछ साथियों की भी तलाश की जा रही है। वहीं बाराबंकी में एक अस्पताल संचालक पर ऑक्सीजन की कमी की अफवाह फैलाने के मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर कोरोना महामारी में अवैध वसूली व कालाबाजारी पर शिकंजा कसने के लिए पुलिस हर स्तर पर मुस्तैदी बरत रही है। एसटीएफ के अलावा खुफिया एजेंसियों को भी सक्रिय किया गया है।कोरोना काल में दवाओं और ऑक्सीजन की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए हर जिले में टीमें बनाई गई हैं। इन टीमों को जिम्मेदारी दी गई है कि वे ऐसे लोगों पर कार्रवाई करें जो दवाओं व ऑक्सीजन की कालाबाजारी या जमाखोरी कर रहे हैं। एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि हर जिले में इस तरह की टीमें बनाई जा रही हैं। कुछ टीमें सक्रिय भी हो गई हैं और कार्रवाई भी कर रही हैं।

दोस्त की सांसों के लिए इस बॉलीवुड एक्ट्रेस ने लगाई लोगों से मदद की गुहार

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण से पूरा देष जूझ रहा है. ऐसे में अब एक बॉलीवुड एक्ट्रेस भी अपनी दोस्त के लिए लोगों से मदद की

गुहार लगाती नजर आ रही हैं. फिल्म 'द बिग बुल' में नजर आईं एक्ट्रेस निकिता दत्ता की दोस्त की हालत नाजुक बनी हुई है और उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए लोगों से मदद की गुहार लगाई है. निकिता दत्ता ने एक ट्वीट पोस्ट कर लिखा है कि– जुहू क्रिटिकेयर में मेरी दोस्त की सांसे जा रही हैं. उसे तत्काल मदद की जरूरत है. अगर कोई इस मामले को लीड करता है तो बहुत मदद हो जाएगी. निकिता दत्ता 'द बिग बुल' में अभिषेक बच्चन संग स्क्रीन शेयर कर सुर्खियों में आईं थी. इसके अलावा वे शाहिद कपूर की कबीर सिंह में भी काम कर चुकी हैं. निकिता अक्षय कुमार की फिल्म गोल्ड में भी दिखाई दी थी. इसके अलावा निकिता लस्ट स्टोरीज में भी काम कर चुकी हैं. बता दें कि फिल्म 'द बिग बुल' में निकिता के साथ रहे अभिनेता अभिषेक बच्चन भी सोशल मीडिया के जरिए लोगों की मदद कर रहे हैं. वे लगातार जरूरतमंदों की डिटेल्स सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं. हाल ही में अभिषेक बच्चन ने सभी को वर्चुअल हग दिया और हौसला बढ़ाया आपको बताना चाहेंगे कि कोरोना महामारी के बीच जनता की मदद को कई बलीवुड सितारे आगे आए हैं. जिनमें सोनू सूद, गुरमीत चौधरी, अक्षय कुमार और सलमान खान जैसी हस्तियां भी शामिल हैं।

कोरोना पॉजिटिव नहीं, बल्कि ले रहे अपने प्रिय भोजन का मजा

नई दिल्ली। देश में कोरोना ने हाहाकार मचा रखा है। आम लोग ही नहीं कोरोना ने बड़ी बड़ी हस्तियों को अपनी गिरफ्त में लिया है। ऐसे में अब मिथुन चक्रवर्ती के भी कोरोना पॉजिटिव होने की खबर उड़ी है, लेकिन ये सही नहीं है। बॉलीवुड एक्टर और राजनेता मिथुन चक्रवर्ती कोरोना के टेस्ट में संक्रमित नहीं आए हैं। ऐसे में मिथून चक्रवर्ती ने इन अफवाहों पर अपनी सफाई देते हुए कहा है कि वे अपनी छुट्टियों का आनंद ले रहे हैं। इससे पहले मंगलवार को ही फिल्मफेयर ने ट्वीट किया था, मिथुन चक्रवर्ती को कोविड–१६ टेस्ट में पॉजिटिव नहीं पाया गया है। मिथुन सभी सावधानी बरत रहे हैं और घर से बाहर हैं।मिथुन चक्रवर्ती ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से मंगलवार को ट्वीट करके बताया है कि, एक महीने से अधिक समय तक बंगाल के विधानसभा चुनाव में व्यापक प्रचार के बाद मैं अपने पसंदीदा भोजन 'बेउली दाल और आलू पोस्टो' के साथ अपनी छुट्टी का आनंद ले रहा हूं। मिथुन के बेटे मिमोह चक्रवर्ती ने भी कहा कि उनके पिता के कोरोना पजिटिव होने की सभी खबरें गलत और निराधार हैं। उन्होंने कहा कि, उनके कोरोना से संक्रमित होने की सारी खबरें महज अफवाह हैं। इस मुश्किल दौर में आप सब इन अफवाहों से दूर रहें और खुद को सुरक्षित रखें। आपको बता दें कि

बॉलीवुड की कई हस्तियां कोरोना संक्रमित हो चुकी हैं। इनमें रणबीर कपूर, कार्तिक आर्यन, मनोज बाजपेयी, आर. माधवन, परेश रावल, कटरीना कैफ, आमिर खान, अक्षय कुमार, आलिया भट्ट, मिलिन्द सोमन, गोविंदा, पूजा हेगड़े, कुमुद मिश्रा और हिना खान इस वायरस से संक्रमित हो चुके हैं।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566
सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक